

19

प्रावली वंश हुइ आज S.D.O. गारुड (दोरे) पर, बिगर कार्य में ब्यक्त
बकीलो द्वारा कोर्ट कार्य स्पष्टित रखने से पभावली आयम्दा बिबरन
२०-११ 20.12.19 को वेक हों

1-9-19

प्रावली वंश हुइ आज S.D.O. गारुड दोरे पर, बिगर कार्य में ब्यक्त
बकीलो द्वारा कोर्ट कार्य स्पष्टित रखने से पभावली आयम्दा बिबरन
20-11 20.12.19 को वेक हों

20/11

वस्तुलाभ उपर

उत्तरिन. उ. ६, १०, १२, २०, २२, २१ व ३३ के
नाम वार कागज (दिलारि गरि) नाबालुद (परमप प्रवक)
वापिल के मजुब रहने से इतने बिदु एव जदीक
कागजिगी की जाये है। प्रति ३, २१, २४, ३२ की गलती
नहीं हुई है। बकील गरी कागजी जेही पूर आबइपठ
रवक में वलगाय जेह नई। गलगाय जेह छेके धर उत्तरिन
परिजे नरमप नलबकि किठे नागट जवाबली दिनांक
२१/१२० को जेह है।

23/11

बकील बकील के प्रा. एड बान्ने पगाव गलती कर
वाक में परिजे बिद्रोल खारिठ करके नाबत जेह किण्ड,
पनावली काठ जेह हुई।
बकील गरी के प्रा. एड जेह किण्ड कि उम्त बाक
के बाकि एव प्रति के मरण शीनाम के गण्ड है। बकील
नव उत्तरिनगण्ड के बिदु काठ के के कागजिगी नहीं
छाहती है। शरबिठे उतरका) पगाव काठ से नलब सुइ
परिजे बिद्रोल खारिठ जवलाये। प्रा. एड ना. मि. है।
अब: बकील बकील हुइ प्रा. एड वाक बिद्रोल
खारिठ सने अ जेह करके है। बकील का वाक परिजे
बिद्रोल खारिठ किण्ड जाक है। पभावली के पल सुखर
केनट गण्ड है। वाक बकील नाबत वापिल
दफरत लेखक) प्रा. एड ना. मि. है।

